(घ) सवाईमाधोपुर रेलवे स्टेशन से बजरिया तक ऊपरी पुल का निर्माण कब तक किये जाने की सम्भावना है ?

रेल मंत्री (श्री जॉर्ज फर्नान्डीज) : (क) से (घ) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

Paddy crop cultivation

1377. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what was the area under cultivation of Paddy crop in Rabi and Kharif Seasons during the last three years in different states;

(b) whether there has been any increase in area under cultivation of paddy crop in eastern zone as per the targets set up; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE DEPUTY PRIME MINISTER AND THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI DEVI LAL): (a) A statement giving area under rice/paddy Statewise for Kharif and Rabi Seasons during the last three years is annexed. [*See* Annexure No. 59].

(b) and (c) Long term compound growth rate of area in respect of rice/paddy had been observed to be positive in respect of the major States in the Eastern part of the country except Bihar and Orissa as given below:—

State	Compound Growth Rate (1967-68 to 1988-89) Per cent per Annum
Assam	0.67
Bihar	—0.12
Madhya Pradesh	0.81
Orissa	—0.34
Uttar Pradesh	1.14

The targets of aera, as such, are not fixed by the Government.

Central Plant Protection Centre, Hyderabad

1378. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central Plant Protection Centre at Rajendra Nagar, Hyderabad is being raised to the status of deemed University;

(b) if so, what are the details in this regard;

(c) what are the present activities of the Centre; and

(d) whether the above Centre has any tie up with Andhra Pradesh Agricultural University or IARI, New Delhi?

THE DEPUTY PRIME MINISTER AND THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI DEVI LAL): (a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

(c) The Centre organises undertakes:

(i) Long term and short term courses in various disciplines of plant protection technology largely for the benefit of extension functionaries and unemployed agricultural graduates;

(ii) Workshops and Seminars for exchange of latest technological developments in plant protection; and

(iii) Adaptive research in plant protection.

(d) Yes, Sir.

देश में बेरोजगारी की स्थिति

1379. डा. अबरार अहमद खान : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश में रोजगार केन्द्रों के पास दर्ज बेरोजगारों तथा अर्ध-बेरोजगारों की संख्या कितनी है । शिक्षित तथा अशिक्षित बेरोजगार

व्यक्तियों की संख्या कितनी है ; सरकार बेरोजगारी को दूर करने के लिए क्या कदम उठा रही है और उन व्यक्तियों को कब तक रोजगार प्रदान कर दिए जाने की संभावना है ; देश में बेरोजगारों की संख्या में वृद्धि की दर क्या है तथा प्रति राज्य बेरोजगारों की संख्या कितनी हैं और किन-किन राज्यों में सबसे अधिक बेरोजगार हैं ; और

(ख) राजस्थान में कितने बेरोजगार व्यक्ति हैं, उन्हें कब तक रोजगार प्रदान कर दिया जाएगा ; ऐसे कितने स्नातकोत्तर, स्नातक, हायर सेकेन्ड्री और माध्यमिक स्कूल की परीक्षा पास तथा अशिक्षित बेरोजगार व्यक्ति हैं, जो निकट भविष्य में रोजगार पाने की अधिकतम आयु सीमा पार कर लेंगे तथा सरकार का इस संबंध में क्या विचार है ?

श्रम और कल्याण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) और (ख) 1989 के अंत में रोजगार कार्यालयों के चालू रजिस्टर पर रोजगार चाहने वालों की संख्या, यह अनिवार्य नहीं कि वे सभी बेरोजगार हों, 327.8 लाख थी तथा 1988 की तुलना में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि थी । नवीनतम उपलब्ध सूचना के अनुसार, 1988 के अंत में चालू रजिस्टर पर शिक्षित (मैट्रिक तथा ऊपर) तथा अशिक्षित (मैट्रिक से कम, अनपढों सहित) रोजगार चाहने वाले क्रमशः 175.1 लाख तथा 125.4 लाख थे । 1989 के अंत में चालू रजिस्टर पर रोजगार चाहने वालों की राज्यवार संख्या, राजस्थान सहित, संलग्न विवरण में दी गई है । (नीचे देखिए) रोजगार चाहने वालों की अधिकतम संख्या पश्चिम बंगाल में थी । रोजगार की विभिन्न श्रेणियों के लिए आयु सीमा अलग-अलग होने के कारण निकट भविष्य में रोजगार चाहने वाले व्यक्तियों की विभिन्न श्रेणियों में आयु सीमा पार करने वाले व्यक्तियों के संबंध में सूचना उपलब्ध नहीं है । आठवीं पंचवर्षीय योजना तैयार की जा रही है ।

विवरण

चालू रजिस्टर पर रोजगार चाहने वालों की संख्या

(हजारों में)

राज्य/संघ शासित प्रदेश	चालू रजिस्टर (31-12-1989 की स्थिति के अनुसार)
1	2
1. आन्ध्र प्रदेश	2818.9
2. अरुणाचल प्रदेश	5.1
3. असम	973.7
4. बिहार	3048.7
5. गोवा	78.7
6. गुजरात	939.0
7. हरियाणा	574.0
8. हिमाचल प्रदेश	418.5
9. जम्मू और कश्मीर	125.5
10. कर्नाटक	1242.7
11. केरल	3100.1
12. मध्य प्रदेश	1978.6
13. महाराष्ट्र	2940.4
14. मणिपुर	252.1
15. मेघालय	23.4
16. मिजोरम	42.0
17. नागालैण्ड	27.0
18. उड़ीसा	844.5
19. पंजाब	584.3
20. राजस्थान	900.8
21. सिक्किम*	
22. तमिलनाडु	2990.6
23. त्रिपुरा	147.9
24. उत्तर प्रदेश	3113.1
25. पश्चिम बंगाल	4524.0
संघ शासित प्रदेश	
1. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	15.7

1	2
2. चण्डीगढ़	153 2
3. दादरा और नागर हवेली	2.1
4. दिल्ली	793.6
5. दमन और द्वीप**	—
6. लक्ष्यद्वीप	5.0
7. पांडिचेरी	112.7
योग :	32776.2

नोट : 1.*कोई रोजगार कार्यालय कार्य नहीं कर रहा है ।

2. ** आंकडे नहीं रखे जाते हैं ।

3. हो सकता है कि आंकडे पूर्णांकों के कारण जोड़ से मेल न खायें ।

कृषि के विकास के लिये अनुसंधान

1380. **श्री राम नरेश यादव** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत 3 वर्षों के दौरान कृषि के विकास के लिए किए गए अनुसंधानों का ब्यौरा क्या है और इनका कृषि उत्पादन और इसकी किस्मों पर क्या प्रभाव पड़ा है ;

(ख) क्या सरकार ने इन अनुसंधानों को आम किसानों तक पहुंचाने के लिए कोई कार्यक्रम तैयार किया है यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) गत 5 वर्षों के दौरान कृषि उत्पादन की वृद्धि दर क्या रही, और प्रत्येक राज्य में वृद्धि की दर और उत्पादन का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है ; सरकार कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठा रही है और इस समय किसानों को क्या राहत दी जा रही है ; और

(घ) केन्द्रीय सरकार ने राजस्थान को कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए अब तक कितनी सहायता दी है, क्या राजस्थान के रेगिस्तानों में सुधरी हुई कृषि के लिए कोई अनुसंधान कार्यक्रम तैयार किया है और यदि हां, तो क्या सरकार ने इस संबंध में कोई योजना तैयार की है राजस्थान में सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान हुए कृषि उत्पादन का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिए इस संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए है ?

उप प्रधान मंत्री और कृषि मंत्री (श्री देवी लाल) : (क) महोदय, पिछले तीन वर्षों के दौरान विभिन्न फसलों के उम्दा बीज और अधिक उपज देने वाली किस्मों/संकर किस्मों के विकास के लिए नए अनुसंधान कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए है । इन प्रयत्नों के फलस्वरूप, विभिन्न फसलों की अनेक अधिक पैदावार वाली किस्में/संकर किस्में जिनमें अनाज की 120 , तिलहन की 64, दाल की 48 और व्यावसायिक फसलों की 28 किस्में शामिल हैं, जारी की गई हैं/उनका पता लगाया गया है । इन प्रयत्नों के फलस्वरूप वर्ष 1989–90 के दौरान देश में कुल खाद्यान्न का उत्पादन 17 करोड 20 लाख टन से भी अधिक होने की संभावना है ।

(ख) आम किसानों को सुधरी किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने के लिए केंद्रीय क्षेत्र में तथा राज्य स्तर पर अनेक बीज उत्पादक एजेंसियों की स्थापना की गई । ये एजेंसियां हैं —(1) राष्ट्रीय बीज निगम, (2) राज्य कृषि निगम और (3) राज्य बीज निगम ।

(ग) पिछले पांच सालों में कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है । अखिल भारतीय स्तर से कुल खाद्यान्न का उत्पादन वर्ष 1983–84 में 15 करोड़, 23 लाख 74 हजार टन से बढकर वर्ष 1988–89 में 17 करोड़ 2 लाख , 53 हजार टन हो गया है । मुख्य फसलों के उत्पादन का रुझान वर्ष और राज्य के अनुसार अनुबंध में दिया गया है । [देखिए परिशिष्ट 153, अनुषंग संख्या 60]

भारत सरकार किसानों को राहत पहुंचाने के रूप में विभिन्न कृषि साधनों के लिए वित्तीय सहायता, महत्वपूर्ण